**भारती कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय**

**अकादमिक सत्र : 2020-21**

**पाठ्यक्रम रूपरेखा : (अप्रैल- जुलाई** 2021**)**

**पाठ्यक्रम :** बी. ए. प्रोग्राम

**सत्र/सेमेस्टर :** 2

**पेपर/प्रश्न पत्र :** आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी भाषा और साहित्य , हिंदी क

**शिक्षक :** डॉ. नीरज

**कक्षा ( प्रति सप्ताह ) :** 5

**पाठ्यक्रम :**

इकाई 1 :

1. आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास
2. हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास
3. राष्ट्रभाषा, राजभाषा,और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

इकाई 2 :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि काल ,मध्य काल ) सामान्य परिचय
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल ) सामान्य परिचय

इकाई 3 :

1. कबीर – कबीर ग्रंथावली संपा श्यामसुन्दर दास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा उन्नीसवां संस्करण 2054,पृष्ठ 23 दोहा 27, पृष्ठ 29 दोहा 20, पृष्ठ 30 दोहा 3और 4, पृष्ठ 35 दोहा 8, पृष्ठ 39 दोहा 9
2. भूषण – भूषण ग्रंथावली , संपा विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन दिल्ली 1998 कवित्त संख्या 409,411,412,413
3. बिहारी –बिहारी रत्नाकर , संपा जगन्नाथ दास रत्नाकर , प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली 2006 कवित्त संख्या 1,10,13, 32,38

इकाई 4:

आधुनिक हिंदी कविता

जयशंकर प्रसाद –हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है

रघुवीर सहाय – कला क्या है

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी हिंदी भाषा और सहित्य की सामान्य जानकारी हासिल करके सहित्य और उसकी सामाजिक उपयोगिता पर विचार कर सकेंगे। हिंदी भाषा के विकास और उसके राष्ट्रीय स्वरूप के निर्धारण में किए गए प्रयासों और आने वाले व्यवधानों को समझ सकेंगे। और कविता की संवेदना को समझ कर मनुष्य के लिए उसकी जरूरत और एक समाज में संवेदना के अलग अलग आयामों का विश्लेषण करने में समर्थ हो सकेंगे। |

**शिक्षण समय :** 16 सप्ताह (लगभग )

**कक्षाएं :**विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज के समय सारणी के अनुसार कक्षाएं आयोजित की जाएगी | विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और सहायक ग्रंथों की प्रमाणिक जानकारी देने के साथ-साथ विषय से सम्बंधित भारतीय चिंतन की रचनाओं को भी समझने की लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा |

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1 | 1. अ आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव औ और विकास – पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक व विकास |
| सप्ताह 2 | 1. हि हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास |
| सप्ताह 3 | 1. अ राष्ट्रभाषा, राजभाषा,और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी |
| सप्ताह 4 | 1. ल हिंदी साहित्य का इतिहास -आदि काल स सामान्य परिचय |
| सप्ताह 5 | 1. हिंदी साहित्य का इतिहास,मध्य काल स सामान्य परिचय –निर्गुण संत काव्य एवं सु सूफी काव्य |
| सप्ताह 6 | 1. क हिंदी साहित्य का इतिहास,मध्य काल स सामान्य परिचय – कृष्ण काव्य एवं   रामकाव्य |
| सप्ताह 7 | हिंदी साहित्य का इतिहास,मध्य काल सामान्य परिचय – रीतिकाल |
| सप्ताह 8 | 1. हिं हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक क काल) सामान्य परिचय –भारतेंदु युग द्व एवं द्विवेदी युग |
| सप्ताह 9 | हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय – छायावाद एवं प्रगतिवाद |
| सप्ताह 10 | हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय – प्रयोग वाद एवं नई कविता समकालीन रचनाशीलता |
| सप्ताह 11 | हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय – समकालीन रचनाशीलता |
| सप्ताह 12 | बिम्ब कबीर एवं उनकी कविताओं का विश्लेषण |
| सप्ताह 13 | बिम्ब भूषण एवं बिहारी पर चर्चा एवं उनकी कवि कविताओं का विश्लेषण |
| सप्ताह 14 | बिम्ब जयशंकर प्रसाद –हिमाद्री तुंग श्रृंग से,  नागा नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है एवं  रघुव रघुवीर सहाय – कला क्या है - कविता विश्ले विश्लेषण |
| सप्ताह 15 | पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन |
| सप्ताह 16 | पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन |

सम्बंधित पुस्तकें :

* हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास –विश्वनाथ त्रिपाठी
* हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
* कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
* भूषण – राजमल बोरा
* नागार्जुन – अजय तिवारी
* रघुवीर सहाय का कविकर्म – अभय ठाकुर

नोट – 1- प्रत्येक यूनिट में से एक असाइनमेंट प्रत्येक छात्र से लिया जाएगा और उस पर चर्चा के बाद दो असाइनमेंट का नंबर आंतरिक मूल्याङ्कन के लिये लगाया जाएगा |